वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 29 अक्टूबर 2026

प्रस्तुतिः मीडिया सेल

दैनिक जागरण

ओवरफिटिंग और माडल चयन की तकनीकों से रूबरू हुए विद्यार्थी

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की ओर से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर संचालित 'एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज' के पांचवें व्याख्यान का आयोजन किया गया। 'माडल मूल्यांकन, ओवरफिटिंग एवं माडल चयन' विषय पर आयोजित व्याख्यान में 108 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

मुख्य विशेषज्ञ डा. अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग मॉडल के मूल्यांकन, ओवरफिटिंग की समस्या और उपयुक्त माडल के चयन की तकनीकों की जानकारी दी। बताया कि किसी माडल की सफलता केवल प्रशिक्षण डेटा पर बेहतर परिणाम देने से निर्धारित नहीं होती, बल्कि नए और अनदेखे डेटा पर सटीक पूर्वानुमान लगाने की उसकी क्षमता भी महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने माडल की सटीकता, विश्वसनीयता और सामान्यीकरण क्षमता का आकलन करने में क्रास-वैलिडेशन जैसी तकनीकों के महत्व को समझाया।

इस सत्र से विद्यार्थियों को प्रभावी और विश्वसनीय मशीन लर्निंग समाधान विकसित करने की व्यावहारिक समझ मिली। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव और कृष्ण कुमार यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. संतोष कुमार यादव, रविकांत यादव, रितेश कुमार और दीप्ति पाण्डेय सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

अमर उजाला

ऑक्टोफ्लो नवाचार ने दिलाया पूर्वांचल विश्वविद्यालय को प्रदेश में पहला स्थान

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने स्वचालित औषधि वितरण प्रणाली ऑक्टोफ्लो के नवाचार के दम पर राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया है।

आविष्कार फाउंडेशन की ओर से आर्थिक उद्यमिता से सामाजिक समता कार्यक्रम के तहत आयोजित प्रतियोगिता में टीम को मेजर मनोज कुमार पांडेय पुरस्कार के साथ दो लाख रुपये का अनुदान मिला है। ऑक्टोफ्लो एक स्वचालित औषधि वितरण प्रणाली है, जिसका उद्देश्य दवाओं के वितरण को अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाना है। टीम ने प्रतियोगिता में अपने नवाचार का प्रभावी प्रस्तुतिकरण किया, जिसे निर्णायकों ने सराहा। इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की तकनीकी प्रतिभा और नवाचार क्षमता को पहचान मिली है।

टीम का नेतृत्व प्रतीक तिवारी ने किया। जबकि प्रभात तिवारी और आदित्य यादव सदस्य के रूप में शामिल रहे। प्रतीक तिवारी और आदित्य यादव इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियंत्रण तथा प्रभात तिवारी सूचना प्रौद्योगिकी के बीटेक तृतीय वर्ष के विद्यार्थी हैं। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पहुंचने से पहले टीम ने टीडी कॉलेज, जौनपुर में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। इसी आधार पर उसका चयन राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ। वहां भी टीम ने अपने प्रोजेक्ट के दम पर पहला स्थान हासिल किया।

अमर उजाला

बच्चों ने सीखी मशीन लर्निंग मॉडल चयन की तकनीक

मल्हनी। पूविवि के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में एआई एवं एमएल लर्निंग पर व्याख्यान आयोजित किया गया। विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग मॉडल के मूल्यांकन, ओवरफिटिंग की समस्या और उपयुक्त मॉडल के चयन की तकनीकों से अवगत कराया गया।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉ. अन्नुश्री अग्रवाल ने बताया कि किसी मशीन लर्निंग मॉडल की उपयोगिता केवल प्रशिक्षण डेटा पर बेहतर परिणाम देने से तय नहीं होती, बल्कि नए और अनदेखे डेटा पर सटीक पूर्वानुमान लगाने की क्षमता भी महत्वपूर्ण होती है। मॉडल की विश्वसनीयता और उसकी वास्तविक उपयोगिता का आकलन इसी आधार पर किया जाता है। संचालन दिलीप यादव ने किया। संवाद

अमर उजाला

सुर, ताल और लोकनृत्य से सजा संवेग का मंच

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम संवेग-2026 के तहत बुधवार को महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी सभागार में गायन और लोकनृत्य प्रतियोगिताओं के लिए ऑडिशन आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

ऑडिशन में एकल सुगम संगीत, लोकनृत्य और समूह गीत की विधाओं में विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियां दीं। गायन की मधुर धुनों और लोकनृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों ने सभागार में सांस्कृतिक माहौल बना दिया। प्रतिभागियों ने अपनी कला के माध्यम से भारतीय लोक संस्कृति और संगीत परंपरा की झलक पेश की। संवाद

हिंदुस्तान

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम प्रथम

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अविष्कार फाउंडेशन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय की टीम ने अपने नवाचार 'ऑक्टोफ्लो' के लिए मेजर मनोज कुमार पांडेय पुरस्कार हासिल किया। इ

हिंदुस्तान

पीयू में विद्यार्थियों ने दिखाई नृत्य-संगीत की प्रतिभा

संवेग-2026

जौनपुर, संवाददाता। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम 'संवेग-2026' के अंतर्गत बुधवार को महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी सभागार में एकल सुगम संगीत, लोकनृत्य एवं समूह गीत प्रतियोगिताओं के लिए ऑडिशन हुआ। इसमें विश्वविद्यालय परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

ऑडिशन में प्रतिभागियों ने गायन और लोकनृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों से निर्णायक मंडल का ध्यान आकर्षित किया। उनकी प्रस्तुतियों में भारतीय लोकसंस्कृति, संगीत परंपरा और कलात्मक अभिव्यक्ति की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम संयोजक डॉ. रसिकेश के संयोजन में आयोजित ऑडिशन में निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ. नरेंद्र देव पाठक, अनमोल साहू और राज चौधरी ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। निर्णायकों ने स्वर, लय-ताल, भावाभिव्यक्ति, मंचीय प्रस्तुति और लोकनृत्य की विशेषताओं के आधार पर प्रतिभाओं का आकलन किया। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले चयनित प्रतिभागियों को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में प्रस्तुति देने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर एनएसएस समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव, जनसंचार विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. अनुराग मिश्रा, कृष्णा सिंह सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

■ राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में प्रस्तुति देंगे चयनित प्रतिभागी

आज

आज जौनपुर
वाराणसी, २९ अक्तूबर, २०२६

संवेग-२०२६ के तहत विद्यार्थियों ने दिखायी नृत्य-संगीत की प्रतिभा

एकल सुगम संगीत एवं लोकनृत्य की प्रतियोगिताओं के लिए हुआ आडिशन

राष्ट्रीय एकता दिवस पर प्रस्तुतियां देंगे चयनित प्रतिभागी

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा, सांस्कृतिक अभिरुचि और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम 'संवेग-2026' के अंतर्गत बुधवार को महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी सभागार में नृत्य एवं संगीत की विभिन्न विधाओं का ऑडिशन आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय परिसर तथा संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी गायन और लोकनृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ऑडिशन के दौरान विद्यार्थियों ने एकल सुगम संगीत, लोकनृत्य और समूह गीत जैसी विधाओं में अपनी प्रस्तुतियों से निर्णायक मंडल का ध्यान आकर्षित किया। गीत-संगीत की मधुर स्वर लहरियों और लोकनृत्य की जीवंत प्रस्तुतियों ने सभागार में सांस्कृतिक उल्लास का वातावरण निर्मित किया।

प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय लोकसंस्कृति, संगीत परंपरा और कलात्मक अभिव्यक्ति की विविधता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रसिकेश के संयोजन में आयोजित ऑडिशन में निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ. नरेंद्र देव पाठक, अनमोल साहू एवं राज



चौधरी ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। निर्णायकों ने गायन की स्वर-साधना, लय-ताल, प्रस्तुति शैली, भावाभिव्यक्ति, मंचीय अनुशासन तथा लोकनृत्य की पारंपरिक विशेषताओं जैसे विभिन्न पहलुओं के आधार पर प्रतिभागियों की प्रतिभा का आकलन किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले चयनित प्रतिभागियों को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने का अवसर मिलेगा। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थी देश की सांस्कृतिक विविधता, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का संदेश देंगे। संवेग-2026 के अंतर्गत आयोजित यह पहल विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर भी प्रदान कर रही है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव, जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. अनुराग मिश्रा, कृष्णा सिंह सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में इस प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सांस्कृतिक चेतना को समृद्ध करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संवेग-2026 इसी भावना के साथ विद्यार्थियों को अपनी कला और प्रतिभा के माध्यम से विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का मंच प्रदान कर रहा है।

मनबढ़ युव
पिटाई, छ
मछलीशहर।
कर लौट र
युवकों ने
पाँचों युवकों
कर लिया है
के मारूफपुर
राज मिस्त्री
मंगलवार सु
से मजदूरी
थे। अभी व
थे कि गाँव
सुभाष, अभि
अखिलेश ने
गालिया देते
पिटाई करने
धमकी देते
वापस पिटाइ
बाद पुलिस
अपना इलाज
प्रभारी निरीक्ष
आरोपित यु
दर्ज कर खो

जनसंदेश टाइम

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई व एमएल लर्निंग सीरीज का पांचवां व्याख्यान

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर संचालित एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज के पांचवें व्याख्यान का आयोजन किया गया। मॉडल इवैल्यूएशन, ओवरफिटिंग एवं मॉडल सेलेक्शन विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में 108 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मुख्य विशेषज्ञ डॉ. अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग मॉडल के मूल्यांकन, ओवरफिटिंग की समस्या तथा उपयुक्त मॉडल चयन की तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी मॉडल की सफलता केवल प्रशिक्षण डेटा पर बेहतर परिणाम देने से नहीं, बल्कि नए और अनदेखे डेटा पर सटीक पूर्वानुमान लगाने की क्षमता से भी निर्धारित होती है।



व्याख्यान में शामिल विद्यार्थी।

उन्होंने मॉडल की सटीकता, विश्वसनीयता और सामान्यीकरण क्षमता के आकलन में क्रॉस-वैलिडेशन जैसी तकनीकों के महत्व को समझाया। साथ ही, बताया कि जब कोई मॉडल प्रशिक्षण डेटा को अत्यधिक सीख लेता है और नए डेटा पर अपेक्षित परिणाम नहीं देता, तो इसे ओवरफिटिंग कहते हैं। इस समस्या को कम करने के लिए नियमितीकरण, उपयुक्त डेटा विभाजन और मॉडल की जटिलता नियंत्रित करने जैसी तकनीकों की जानकारी दी गई। व्याख्यान में मॉडल चयन के दौरान डेटा की प्रकृति, समस्या की आवश्यकताओं और मॉडल के प्रदर्शन को ध्यान में रखने पर जोर दिया गया। सत्र से विद्यार्थियों को प्रभावी एवं विश्वसनीय मशीन लर्निंग समाधान विकसित करने की व्यावहारिक समझ मिली। कार्यक्रम के सफल संचालन में आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव एवं कृष्ण कुमार यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. संतोष कुमार यादव, रविकांत यादव, रितेश कुमार एवं दीप्ति पाण्डेय सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

जनसंदेश टाइम

संवेग-2026 के तहत विद्यार्थियों ने दिखाई नृत्य-संगीत की प्रतिभा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा, सांस्कृतिक अभिरुचि और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम संवेग-2026 के अंतर्गत बुधवार को महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी सभागार में नृत्य एवं संगीत की विभिन्न विधाओं का ऑडिशन आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय परिसर तथा संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी गायन और लोकनृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ऑडिशन के दौरान विद्यार्थियों ने एकल सुगम संगीत, लोकनृत्य और समूह गीत जैसी विधाओं में अपनी प्रस्तुतियों से निर्णायक मंडल का ध्यान आकर्षित किया। गीत-संगीत की मधुर स्वर लहरियों और लोकनृत्य की जीवंत प्रस्तुतियों ने सभागार में सांस्कृतिक उल्लास का वातावरण निर्मित किया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय लोकसंस्कृति, संगीत परंपरा और कलात्मक अभिव्यक्ति की विविधता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रसिकेश के संयोजन में आयोजित ऑडिशन में निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ. नरेंद्र देव पाठक, अनमोल साहू एवं राज चौधरी ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। निर्णायकों ने गायन की स्वर-साधना, लय-ताल, प्रस्तुति शैली, भावाभिव्यक्ति, मंचीय अनुशासन तथा लोकनृत्य की पारंपरिक विशेषताओं जैसे विभिन्न पहलुओं के आधार पर प्रतिभागियों की प्रतिभा का आकलन किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले चयनित प्रतिभागियों को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने का अवसर मिलेगा।

जनसंदेश टाइम

अविष्कार फाउंडेशन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विवि की टीम प्रथम

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के विद्यार्थियों ने नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अविष्कार फाउंडेशन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। आर्थिक उद्यमिता से सामाजिक समता कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की टीम ने अपने नवाचार ऑक्टोफ्लो के लिए मेजर मनोज कुमार पांडेय पुरस्कार हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ टीम को दो लाख रुपये का अनुदान भी प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने टीम के सदस्यों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।



पुरस्कार के साथ विश्वविद्यालय की टीम।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने नए विचारों को विकसित करने और उन्हें व्यावहारिक रूप देने के लिए हरसंभव प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार की उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों को भी नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी। टीम ने प्रतियोगिता में ऑक्टोफ्लो नामक एक स्वचालित औषधि वितरण प्रणाली प्रस्तुत की। इस नवाचार का उद्देश्य दवाओं के वितरण की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाना है। टीम ने अपने प्रोजेक्ट का प्रभावी प्रस्तुतीकरण करते हुए निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया और प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस टीम में प्रतीक तिवारी टीम लीडर तथा प्रभात तिवारी और आदित्य यादव सदस्य के रूप में शामिल रहे। प्रतीक तिवारी और आदित्य यादव बीटेक तृतीय वर्ष में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियंत्रण के विद्यार्थी हैं, जबकि प्रभात तिवारी बीटेक तृतीय वर्ष में सूचना प्रौद्योगिकी के छात्र हैं।

कौटिल्य का भारत

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का पांचवां व्याख्यान संपन्न

» मॉडल मूल्यांकन, ओवरफिटिंग एवं मॉडल चयन की तकनीकों से रूबरू हुए विद्यार्थी, 108 ने किया प्रतिभाग

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कैप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर संचालित 'एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज' के पांचवें व्याख्यान का आयोजन किया गया। "मॉडल इवैल्यूएशन, ओवरफिटिंग एवं मॉडल सेलेक्शन" विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में 108 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मुख्य विशेषज्ञ डॉ. अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग मॉडल के मूल्यांकन, ओवरफिटिंग की समस्या तथा उपयुक्त मॉडल चयन की तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी मॉडल की सफलता केवल प्रशिक्षण डेटा पर बेहतर परिणाम देने से नहीं, बल्कि नए और अनदेखे डेटा पर सटीक पूर्वानुमान लगाने की क्षमता से भी निर्धारित होती है। उन्होंने मॉडल की सटीकता, विश्वसनीयता और सामान्यीकरण क्षमता के आकलन में ब्रॉस-वैलिडेशन जैसी तकनीकों के महत्व को समझाया। साथ ही, बताया कि जब कोई मॉडल प्रशिक्षण डेटा को अत्यधिक सीख लेता है और नए डेटा पर अपेक्षित परिणाम नहीं देता, तो इसे ओवरफिटिंग कहते हैं। इस समस्या को कम करने के लिए नियमितीकरण, उपयुक्त डेटा विभाजन और मॉडल की जटिलता नियंत्रित करने जैसी तकनीकों की जानकारी दी गई। व्याख्यान में मॉडल चयन के दौरान डेटा की प्रकृति, समस्या की आवश्यकताओं और मॉडल के प्रदर्शन को ध्यान में रखने पर जोर दिया गया। सत्र से विद्यार्थियों को प्रभावी एवं विश्वसनीय मशीन लर्निंग समाधान विकसित करने की व्यावहारिक समझ मिली। कार्यक्रम के सफल संचालन में आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव एवं कृष्ण कुमार यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. संतोष कुमार यादव, रविकांत यादव, रितेश कुमार एवं दीप्ति पाण्डेय सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

अविष्कार फाउंडेशन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम प्रथम

» 'ऑक्टोफ्लो' नवाचार के लिए मिला मेजर मनोज कुमार पांडेय पुरस्कार

» दो लाख रुपये का अनुदान भी प्राप्त

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के विद्यार्थियों ने नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अविष्कार फाउंडेशन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। 'आर्थिक उद्यमिता से सामाजिक समता' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की टीम ने अपने नवाचार 'ऑक्टोफ्लो' के लिए मेजर मनोज कुमार पांडेय पुरस्कार हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ टीम को दो लाख रुपये का अनुदान भी प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने टीम के सदस्यों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने नए विचारों को विकसित करने और उन्हें व्यावहारिक रूप देने के लिए हरसंभव प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार की उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों को भी नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी। टीम ने प्रतियोगिता में 'ऑक्टोफ्लो' नामक एक स्वचालित औषधि वितरण प्रणाली प्रस्तुत की। इस नवाचार का उद्देश्य दवाओं के वितरण की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाना है। टीम ने अपने प्रोजेक्ट का प्रभावी प्रस्तुतीकरण करते हुए निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया और प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस टीम में प्रतीक तिवारी टीम लीडर तथा प्रभात तिवारी और आदित्य यादव सदस्य के रूप में शामिल रहे। प्रतीक तिवारी और आदित्य यादव बीटेक तृतीय वर्ष में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियंत्रण के विद्यार्थी हैं, जबकि प्रभात तिवारी बीटेक तृतीय वर्ष में सूचना प्रौद्योगिकी के छात्र हैं। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता तक पहुंचने से पहले टीम ने टीडी कॉलेज, जौनपुर में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। इसके आधार पर टीम का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ। वहां अपने नवाचार और प्रस्तुतीकरण के दम पर टीम ने प्रथम स्थान हासिल कर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया।

जौनपुर धारा

'संवेग-2026' के ऑडिशन में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

- एकल सुगम संगीत और लोकनृत्य में प्रतिभागियों ने दी प्रस्तुति
- राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में चयनित कलाकारों को मिलेगा मौका



जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम 'संवेग-2026' के तहत बुधवार को महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी सभागार में गायन और लोकनृत्य प्रतियोगिताओं के लिए ऑडिशन हुआ। इसमें विश्वविद्यालय परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लेकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ऑडिशन में विद्यार्थियों ने एकल सुगम संगीत, लोकनृत्य और समूह गीत जैसी विधाओं में प्रस्तुतियां दीं। गायन में सुर और लय के साथ लोकनृत्य की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने निर्णायक मंडल का ध्यान आकर्षित किया। प्रतिभागियों ने अपनी कला के माध्यम से भारतीय लोकसंस्कृति और संगीत परंपरा की विविधता को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रसिकेश ने किया। निर्णायक मंडल में डॉ. नरेंद्र देव पाठक, अनमोल साहू और राज चौधरी शामिल रहे।

निर्णायकों ने प्रतिभागियों की स्वर-साधना, लय-ताल, भावाभिव्यक्ति, प्रस्तुति शैली, मंचीय अनुशासन और लोकनृत्य की पारंपरिक विशेषताओं के आधार पर मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में प्रस्तुति देने का अवसर मिलेगा। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ भारतीय सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने का मंच मिलेगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव, जनसंचार विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. अनुराग मिश्रा और कृष्णा सिंह सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी मौजूद रहे। विश्वविद्यालय में आयोजित यह पहल विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक अभिरुचि को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

जौनपुर धारा

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई-एमएल मॉडल के मूल्यांकन की बारीकियां सीखीं विद्यार्थियों ने

लर्निंग सीरीज के पांचवें व्याख्यान में 108 छात्र-छात्राओं ने किया प्रतिभाग

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में संचालित एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज के पांचवें व्याख्यान में विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग मॉडल के मूल्यांकन, ओवरफिटिंग और उपयुक्त मॉडल चयन की तकनीकों से परिचित कराया गया। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में 108 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मुख्य विशेषज्ञ डॉ.अन्नुश्री अग्रवाल ने बताया कि किसी



मशीन लर्निंग मॉडल की उपयोगिता केवल प्रशिक्षण डेटा पर अच्छे परिणाम देने से तय नहीं होती, बल्कि नए और अनदेखे डेटा पर सटीक पूर्वानुमान लगाने की क्षमता भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने मॉडल की विश्वसनीयता और सामान्यीकरण क्षमता जांचने में क्रॉस-वैलिडेशन की भूमिका समझाई। उन्होंने कहा कि जब कोई मॉडल प्रशिक्षण डेटा को जरूरत से ज्यादा सीख लेता है और नए डेटा पर अपेक्षित प्रदर्शन नहीं करता, तो इस स्थिति को ओवरफिटिंग कहा जाता है। इससे बचने के लिए नियमितीकरण, डेटा का उचित विभाजन और मॉडल की जटिलता नियंत्रित करने जैसी तकनीकों की जानकारी दी गई। व्याख्यान में यह भी बताया गया कि मॉडल का चयन करते समय डेटा की प्रकृति, समस्या की जरूरत और प्रदर्शन को ध्यान में रखना चाहिए।

आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव और कृष्ण कुमार यादव ने कार्यक्रम के संचालन में सहयोग किया। इस अवसर पर डॉ. संतोष कुमार यादव, रविकांत यादव, रितेश कुमार और दीप्ति पाण्डेय सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

जौनपुर धारा

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मारी बाजी

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए अविष्कार फाउंडेशन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। 'आर्थिक उद्यमिता से सामाजिक समता' कार्यक्रम के तहत आयोजित प्रतियोगिता में टीम को स्वचालित औषधि वितरण प्रणाली 'ऑक्टोफ्लो' के लिए मेजर मनोज कुमार पांडेय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही परियोजना को आगे विकसित करने के लिए दो लाख रुपये का अनुदान भी मिला है।



'ऑक्टोफ्लो' का उद्देश्य दवाओं के वितरण की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाना है। टीम ने प्रतियोगिता में अपने नवाचार का प्रस्तुतीकरण किया, जिसके आधार पर उसे प्रथम स्थान मिला। इससे पहले टीम ने टीडी कॉलेज, जौनपुर में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भी पहला स्थान हासिल किया था। इसी सफलता के आधार पर उसका चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ। टीम में प्रतीक तिवारी ने नेतृत्व किया, जबकि प्रभात तिवारी और आदित्य यादव सदस्य रहे। प्रतीक और आदित्य बीटेक तृतीय वर्ष में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियंत्रण तथा प्रभात तिवारी सूचना प्रौद्योगिकी के विद्यार्थी हैं। प्राप्त दो लाख रुपये के अनुदान का उपयोग 'ऑक्टोफ्लो' के नमूना मॉडल को और उन्नत बनाने में किया जाएगा। परियोजना के मार्गदर्शन में केंद्रीय प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार और डॉ. सुशील कुमार का योगदान रहा। टीम का समन्वय डॉ. मोहम्मद अबू सालेह ने किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि नए विचारों को व्यावहारिक रूप देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय में हर्ष का माहौल है।

अमन की शान

संवेग-2026 के तहत विद्यार्थियों ने दिखाई नृत्य-संगीत की प्रतिभा

- एकल सुगम संगीत एवं लोकनृत्य की प्रतियोगिताओं के लिए हुआ ऑडिशन
- राष्ट्रीय एकता दिवस पर प्रस्तुतियां देंगे चयनित प्रतिभागी

अमन की शान





जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा, सांस्कृतिक अभिरुचि और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम 'संवेग-2026' के अंतर्गत बुधवार को महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी सभागार में नृत्य एवं संगीत की विभिन्न विधाओं का ऑडिशन आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय परिसर तथा संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी गायन और लोकनृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

ऑडिशन के दौरान विद्यार्थियों ने एकल सुगम संगीत, लोकनृत्य और समूह गीत जैसी विधाओं में अपनी प्रस्तुतियों से निर्णायक मंडल का ध्यान आकर्षित किया। गीत-संगीत की मधुर स्वर लहरियों और लोकनृत्य की जीवंत प्रस्तुतियों ने सभागार में सांस्कृतिक उल्लास का वातावरण निर्मित किया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय लोकसंस्कृति, संगीत परंपरा और कलात्मक अभिव्यक्ति की विविधता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रसिकेश के संयोजन में आयोजित ऑडिशन में निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ. नरेंद्र देव पाठक, अनमोल साहू एवं राज चौधरी ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। निर्णायकों ने गायन की स्वर-साधना, लय-ताल, प्रस्तुति शैली, भावाभिव्यक्ति, मंचीय अनुशासन तथा लोकनृत्य की पारंपरिक विशेषताओं जैसे विभिन्न पहलुओं के आधार पर प्रतिभागियों की प्रतिभा का आकलन किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले चयनित प्रतिभागियों को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने का अवसर मिलेगा। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थी देश की सांस्कृतिक विविधता, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का संदेश देंगे। संवेग-2026 के अंतर्गत आयोजित यह पहल विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर भी प्रदान कर रही है।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव, जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. अनुराग मिश्रा, कृष्णा सिंह सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में इस प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सांस्कृतिक चेतना को समृद्ध करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संवेग-2026 इसी भावना के साथ विद्यार्थियों को अपनी कला और प्रतिभा के माध्यम से विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का मंच प्रदान कर रहा है।

उत्तर शक्ति

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का पांचवां व्याख्यान संपन्न

मॉडल मूल्यांकन, ओवरफिटिंग एवं मॉडल चयन की तकनीकों से रूबरू हुए विद्यार्थी, 108 ने किया प्रतिभाग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर संचालित ह्यएआई एवं एमएल लर्निंग सीरीजह्व के पांचवें व्याख्यान का आयोजन किया गया। ह्वमॉडल इवैल्यूएशन, ओवरफिटिंग एवं मॉडल सेलेक्शनह्व विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में 108 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मुख्य विशेषज्ञ डॉ. अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग मॉडल के मूल्यांकन, ओवरफिटिंग की समस्या तथा उपयुक्त मॉडल चयन की तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी मॉडल की सफलता केवल प्रशिक्षण डेटा पर बेहतर परिणाम देने से नहीं, बल्कि नए और अनदेखे डेटा पर सटीक पूवार्नुमान लगाने की क्षमता से भी निर्धारित होती है। उन्होंने मॉडल की सटीकता, विश्वसनीयता और सामान्यीकरण क्षमता के आकलन में क्रॉस-वैलिडेशन जैसी तकनीकों के महत्व को समझाया। साथ ही, बताया कि जब कोई मॉडल प्रशिक्षण डेटा को अत्यधिक सीख लेता है और नए डेटा पर अपेक्षित परिणाम नहीं देता, तो इसे ओवरफिटिंग कहते हैं। इस समस्या को कम करने के लिए नियमितीकरण, उपयुक्त डेटा विभाजन और मॉडल की जटिलता नियंत्रित करने जैसी तकनीकों की जानकारी दी गई। व्याख्यान में मॉडल चयन के दौरान डेटा की प्रकृति, समस्या की आवश्यकताओं और मॉडल के प्रदर्शन को ध्यान में रखने पर जोर दिया गया। सत्र से विद्यार्थियों को प्रभावी एवं विश्वसनीय मशीन लर्निंग समाधान विकसित करने की व्यावहारिक समझ मिली। कार्यक्रम के सफल संचालन में आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव एवं कृष्ण कुमार यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. संतोष कुमार यादव, रविकांत यादव, रितेश कुमार एवं दीप्ति पाण्डेय सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

उत्तर शक्ति

अविष्कार फाउंडेशन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम प्रथम

ऑक्टोफ्लो नवाचार के लिए मिला मेजर मनोज कुमार पांडेय पुरस्कार, दो लाख रुपये का अनुदान भी प्राप्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के विद्यार्थियों ने नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अविष्कार फाउंडेशन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। ह्यआर्थिक उद्यमिता से सामाजिक समता कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की टीम ने अपने नवाचार ऑक्टोफ्लो के लिए मेजर मनोज कुमार पांडेय पुरस्कार हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ टीम को दो लाख रुपये का अनुदान भी प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने टीम के सदस्यों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने नए विचारों को विकसित करने और उन्हें व्यावहारिक रूप देने के लिए हरसंभव प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार की उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों को भी नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी।

टीम ने प्रतियोगिता में ऑक्टोफ्लो नामक एक स्वचालित औषधि वितरण प्रणाली प्रस्तुत की। इस नवाचार का उद्देश्य दवाओं के वितरण की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाना है। टीम ने अपने प्रोजेक्ट का प्रभावी प्रस्तुतीकरण करते हुए निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया और प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस टीम में प्रतीक तिवारी टीम लीडर तथा प्रभात तिवारी और आदित्य यादव सदस्य के रूप में शामिल रहे। प्रतीक तिवारी और आदित्य यादव बीटेक तृतीय वर्ष में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियंत्रण के विद्यार्थी हैं, जबकि प्रभात तिवारी बीटेक तृतीय वर्ष में सूचना प्रौद्योगिकी के छात्र हैं। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता तक पहुंचने से पहले टीम ने टीडी कॉलेज, जौनपुर में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। इसके आधार पर टीम का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ। वहां अपने नवाचार और प्रस्तुतीकरण के दम पर टीम ने प्रथम स्थान हासिल कर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में प्राप्त दो लाख रुपये के अनुदान का उपयोग ऑक्टोफ्लो के नमूना मॉडल को और अधिक विकसित एवं उन्नत बनाने में किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को अपने नवाचार को बेहतर स्वरूप देने और उसकी उपयोगिता को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। टीम को तैयार करने और प्रतियोगिता के लिए मार्गदर्शन देने में केंद्रीय प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार तथा डॉ. सुशील कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विश्वविद्यालय की ओर से टीम का समन्वय डॉ. मोहम्मद अबू सालेह ने किया। टीम को केंद्रीय प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ (सीटीपीसी) तथा प्रबंधन अध्ययन संकाय के तत्वावधान में प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए भेजा गया था। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है।

संवेग-2026 के ऑडिशन में विद्यार्थियों ने बिखेरा प्रतिभा का रंग



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम संवेग-2026 के तहत बुधवार को महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी सभागार में नृत्य एवं संगीत प्रतियोगिताओं का ऑडिशन हुआ। इसमें विश्वविद्यालय परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ऑडिशन में विद्यार्थियों ने एकल सुगम संगीत, लोकनृत्य और समूह गीत की प्रस्तुतियों से निर्णायक मंडल का ध्यान आकर्षित किया। उनकी प्रस्तुतियों में भारतीय लोकसंस्कृति, संगीत परंपरा और कलात्मक अभिव्यक्ति की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम संयोजक डॉ. रसिकेश के संयोजन में आयोजित ऑडिशन का मूल्यांकन डॉ. नरेंद्र देव पाठक, अनमोल साहू और राज चौधरी ने किया। निर्णायकों ने गायन, लय-ताल, भावाभिव्यक्ति, मंचीय अनुशासन और लोकनृत्य की विशेषताओं के आधार पर प्रतिभागियों का आकलन किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले चयनित प्रतिभागियों को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में प्रस्तुति देने का अवसर मिलेगा। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थी राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और भारतीय सांस्कृतिक विविधता का संदेश देंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव, जनसंचार विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. अनुराग मिश्रा, कृष्णा सिंह सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे। संवेग-2026 के माध्यम से विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रहा है।

अमर भारती

स्वास्थ्य योजनाओं को पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाएः सीडीओ

♦ कलेक्ट्रेट सभागार में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित

अमर भारती ब्यूरो



जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन के निर्देश के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ब्लॉकवार प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कार्य करते हुए अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। जीरो पॉवर्टी योजना के अंतर्गत बनाए जा रहे आयुष्मान कार्ड की ब्लॉकवार समीक्षा करते हुए उन्होंने खराब प्रदर्शन करने वाले विकास खंडों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए।

जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को किए जा रहे भुगतान की समीक्षा करते हुए उन्होंने भुगतान में अनावश्यक विलंब न करने तथा पात्र लाभार्थियों को समय से भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संस्थागत प्रसव की समीक्षा के दौरान उन्होंने कम प्रगति वाले विकास खंडों को आगामी बैठक तक स्थिति में सुधार लाने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद में सीटी स्कैन की व्यवस्था, टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान तथा टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की। इसके साथ ही जनपद में क्रियाशील हेल्थ एटीएम की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शाहगंज एवं ट्रामा सेंटर में खराब पड़े हेल्थ एटीएम को एक सप्ताह के भीतर क्रियाशील करने के निर्देश दिए।बैठक में मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम, प्रसूताओं को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था, परिवार नियोजन कार्यक्रम तथा जनपद में संचालित एम्बुलेंस सेवाओं की स्थिति की भी समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी स्वास्थ्य योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। जिन योजनाओं में प्रगति अपेक्षाकृत कम है, उनमें विशेष प्रयास कर निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूरा किया जाए।

बैठक में जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों, जिला पंचायत राज अधिकारी एवं खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्रों में झाड़ियों की कटाई, साफ-सफाई के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें, जिससे संचारी रोगों के प्रसार पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि विद्यालयों में बच्चों के माध्यम से संचारी रोगों से बचाव एवं रोकथाम के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया जाए। बच्चों को स्वच्छता अपनाने, अपने आसपास साफ-सफाई रखने तथा मच्छरों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर सहित स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अवधनामा

संवेग-2026 के तहत विद्यार्थियों ने दिखाई नृत्य-संगीत की प्रतिभा

अवधनामा संवाददाता

- एकल सुगम संगीत एवं लोकनृत्य की प्रतियोगिताओं के लिए हुआ ऑडिशन
- राष्ट्रीय एकता दिवस पर प्रस्तुतियां देंगे चयनित प्रतिभागी

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा, सांस्कृतिक अभिरुचि और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम 'संवेग-2026' के अंतर्गत बुधवार को महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी सभागार में नृत्य एवं संगीत की विभिन्न विधाओं का ऑडिशन आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय परिसर तथा संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी गायन और लोकनृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ऑडिशन के दौरान विद्यार्थियों ने एकल सुगम संगीत, लोकनृत्य और समूह गीत जैसी विधाओं में अपनी प्रस्तुतियों से निर्णायक मंडल का ध्यान आकर्षित किया। गीत-संगीत की मधुर स्वर लहरियों और लोकनृत्य की जीवंत प्रस्तुतियों ने सभागार में सांस्कृतिक उल्लास का वातावरण निर्मित किया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय लोकसंस्कृति, संगीत परंपरा और कलात्मक अभिव्यक्ति की विविधता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रसिकेश के संयोजन में आयोजित ऑडिशन



में निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ. नरेंद्र देव पाठक, अनमोल साहू एवं राज चौधरी ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। निर्णायकों ने गायन की स्वर-साधना, लय-ताल, प्रस्तुति शैली, भावाभिव्यक्ति, मंचीय अनुशासन तथा लोकनृत्य की पारंपरिक विशेषताओं जैसे विभिन्न पहलुओं के आधार पर प्रतिभागियों की प्रतिभा का आकलन किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले चयनित प्रतिभागियों को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने का अवसर मिलेगा। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थी देश की सांस्कृतिक विविधता, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का संदेश देंगे। संवेग-2026 के अंतर्गत आयोजित यह पहल विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर भी प्रदान कर रही है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव, जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. अनुराग मिश्रा, कृष्णा सिंह सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में इस प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सांस्कृतिक चेतना को समृद्ध करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संवेग-2026 इसी भावना के साथ विद्यार्थियों को अपनी कला और प्रतिभा के माध्यम से विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का मंच प्रदान कर रहा है।

पूर्वांचल लाइफ

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का पांचवां व्याख्यान संपन्न

मॉडल मूल्यांकन, ओवरफिटिंग एवं मॉडल चयन की तकनीकों से रूबरू हुए विद्यार्थी, 108 ने किया प्रतिभाग

पूर्वांचल लाइफ

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर संचालित 'एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज' के पांचवें व्याख्यान का आयोजन किया गया। "मॉडल इवैल्यूएशन, ओवरफिटिंग एवं मॉडल सेलेक्शन" विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में 108 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मुख्य विशेषज्ञ डॉ. अनुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग मॉडल के मूल्यांकन, ओवरफिटिंग की समस्या तथा उपयुक्त मॉडल चयन की तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी मॉडल की सफलता केवल प्रशिक्षण डेटा पर बेहतर परिणाम देने से नहीं, बल्कि नए और अनदेखे डेटा पर सटीक पूर्वानुमान लगाने की क्षमता से भी निर्धारित होती है। उन्होंने मॉडल की सटीकता, विश्वसनीयता और सामान्यीकरण क्षमता के आकलन में क्रॉस-वैलिडेशन जैसी तकनीकों के महत्व को समझाया। साथ ही, बताया कि जब कोई मॉडल प्रशिक्षण डेटा को अत्यधिक सीख लेता है और नए डेटा पर अपेक्षित परिणाम नहीं देता, तो इसे ओवरफिटिंग कहते हैं। इस समस्या को कम करने के लिए नियमितीकरण, उपयुक्त डेटा विभाजन और मॉडल की जटिलता नियंत्रित करने जैसी तकनीकों की जानकारी दी गई। व्याख्यान में मॉडल चयन के दौरान डेटा की प्रकृति, समस्या की आवश्यकताओं और मॉडल के प्रदर्शन को ध्यान में रखने पर जोर दिया गया। सत्र से विद्यार्थियों



को प्रभावी एवं विश्वसनीय मशीन लर्निंग समाधान विकसित करने की व्यावहारिक समझ मिली। कार्यक्रम के सफल संचालन में आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव एवं कृष्ण कुमार यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. संतोष कुमार यादव, रविकांत यादव, रितेश कुमार एवं दीप्ति पाण्डेय सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

पूर्वांचल लाइफ

संवेग-2026 के तहत विद्यार्थियों ने दिखाई नृत्य-संगीत की प्रतिभ

पूर्वांचल लाइफ

- एकल सुगम संगीत एवं लोकनृत्य की प्रतियोगिताओं के लिए हुआ ऑडिशन
- राष्ट्रीय एकता दिवस पर प्रस्तुतियां देंगे चयनित प्रतिभागी



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा, सांस्कृतिक अभिरुचि और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम 'संवेग-2026' के अंतर्गत बुधवार को महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी सभागार में नृत्य एवं संगीत की विभिन्न विधाओं का ऑडिशन आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय परिसर तथा संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी गायन और लोकनृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ऑडिशन के दौरान विद्यार्थियों ने एकल सुगम संगीत, लोकनृत्य और समूह गीत जैसी विधाओं में अपनी प्रस्तुतियों से निर्णायक मंडल का ध्यान आकर्षित किया। गीत-संगीत की मधुर स्वर लहरियों और लोकनृत्य की जीवंत प्रस्तुतियों ने सभागार में सांस्कृतिक उल्लास का वातावरण निर्मित किया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय लोकसंस्कृति, संगीत परंपरा और कलात्मक अभिव्यक्ति की विविधता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रसिकेश के संयोजन में आयोजित ऑडिशन में निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ. नरेंद्र देव पाठक, अनमोल साहू एवं राज चौधरी ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। निर्णायकों ने गायन की स्वर-साधना, लय-ताल, प्रस्तुति शैली, भावाभिव्यक्ति, मंचीय अनुशासन तथा लोकनृत्य की पारंपरिक विशेषताओं जैसे विभिन्न पहलुओं के आधार पर प्रतिभागियों की प्रतिभा का आकलन किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले चयनित प्रतिभागियों को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने का अवसर मिलेगा। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थी देश की सांस्कृतिक विविधता, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का संदेश देंगे। संवेग-2026 के अंतर्गत आयोजित यह पहल विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर भी प्रदान कर रही है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव, जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. अनुराग मिश्रा, कृष्णा सिंह सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में इस प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सांस्कृतिक चेतना को समृद्ध करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संवेग-2026 इसी भावना के साथ विद्यार्थियों को अपनी कला और प्रतिभा के माध्यम से विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का मंच प्रदान कर रहा है।

NIP

Selected Participants to Present Cultural Performances on National Unity Day

Jaunpur: As part of Samveg-2026, a cultural programme organised to encourage students' artistic talents, cultural interests and creative expression, auditions for various dance and music categories were held on Wednesday at the Mahant Avaidyanath Seminar Hall of Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur. Students from the university campus and its affiliated colleges enthusiastically participated and showcased their singing and folk-dance talents.



During the auditions, students impressed the judging panel with their performances in categories such as solo light music, folk dance and group singing. Through their performances, participants effectively showcased the diversity of Indian folk culture, musical traditions and artistic expression.

The auditions were organised under the coordination of Dr Rasikesh. The judging panel, comprising Dr Narendra Dev Pathak, Anmol Sahu and Raj Chaudhary, evaluated the students' performances. The judges assessed participants on various parameters, including vocal practice, rhythm and tempo, presentation style, emotional expression, stage discipline and the traditional features of folk dance.

Participants selected for the first, second and third positions in the competition will get an opportunity to present their cultural performances at the National Unity Day celebrations organised on the birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel. Dr Shashikant Yadav, Coordinator of the National Service Scheme (NSS); Prof Manoj Mishra, Head of the Department of Mass Communication; Dr Vineeta Singh; Dr Anurag Mishra; Krishna Singh; and students from various university departments were present at the programme.